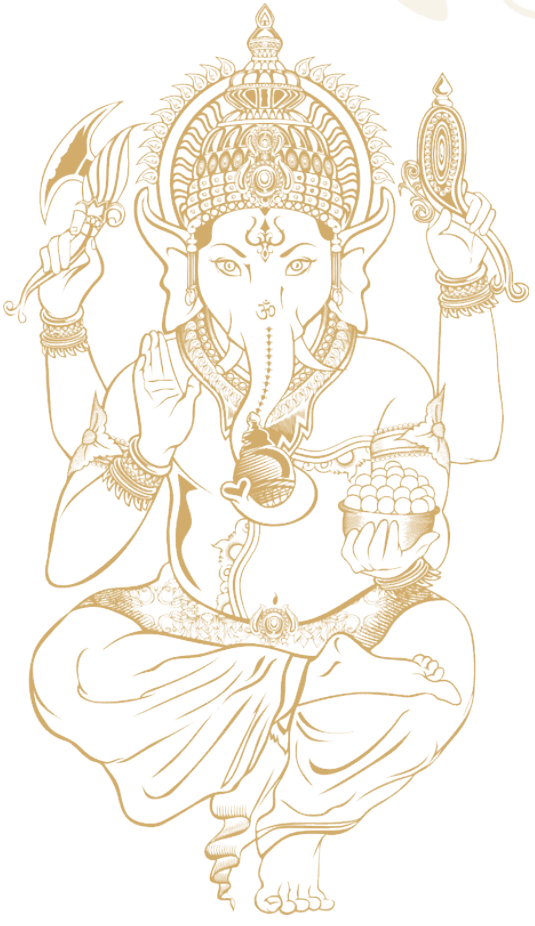

Manisha Sharma

17 May 2005

11:57 AM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121429602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/05/2005**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:57:00 घंटे**
इष्ट	15:36:01 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:30:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:30:20 घंटे
वेलान्तर	00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	03:10:34 घंटे
सूर्योदय	05:42:35 घंटे
सूर्यास्त	19:03:51 घंटे
दिनमान	13:21:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:31:36 वृष
लग्न के अंश	27:58:02 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:58:02	318:24:16	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृष	02:31:36	00:57:48	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	12:25:57	12:05:27	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	17:44:12	00:43:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध			मेष	14:16:26	01:45:49	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कन्या	15:32:32	00:03:23	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	14:47:14	01:13:41	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	स्वराशि
शनि			मिथु	29:10:00	00:05:23	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
राहु			मीन	28:19:26	00:00:48	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	28:19:26	00:00:48	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:30:08	00:01:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:40:17	00:00:05	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	29:56:50	00:01:21	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मेष	26:09:15	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:49

लग्न-चलित

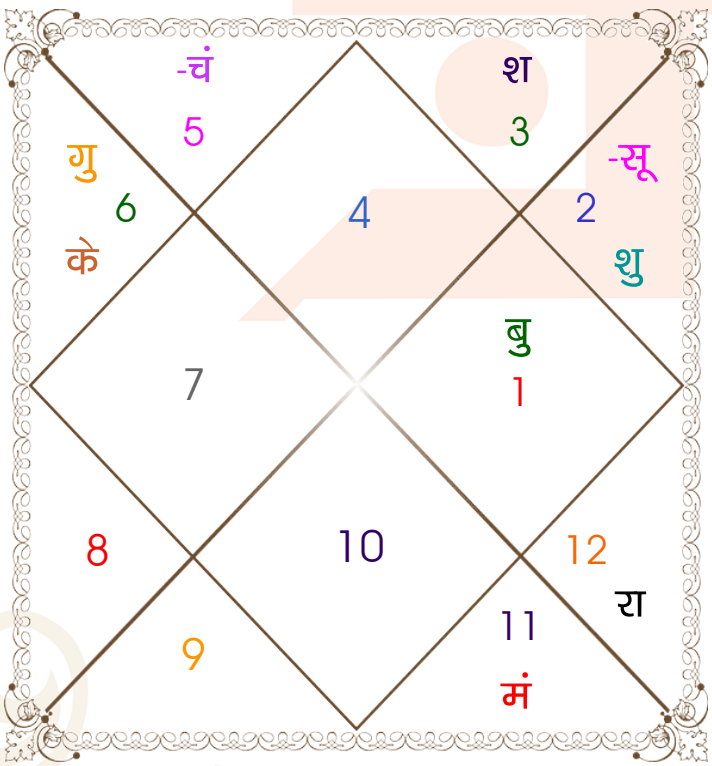

चन्द्र कुंडली

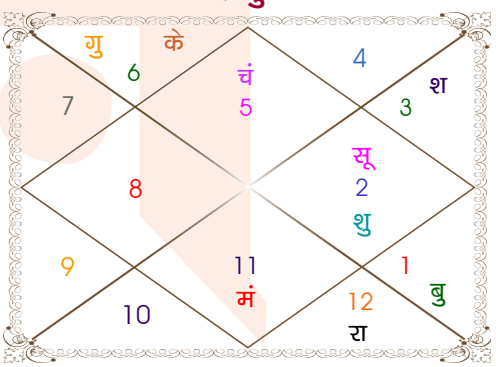

नवमांश कुंडली

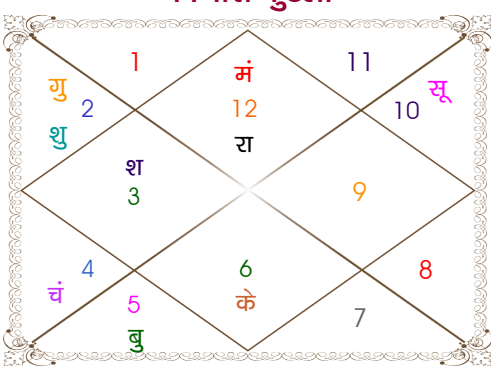

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 5 मास 20 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/05/2005		06/11/2005		06/11/2025		06/11/2031		06/11/2041	
06/11/2005		06/11/2025		06/11/2031		06/11/2041		06/11/2048	
	00/00/0000	शुक्र	07/03/2009	सूर्य	23/02/2026	चंद्र	06/09/2032	मंगल	04/04/2042
	00/00/0000	सूर्य	08/03/2010	चंद्र	25/08/2026	मंगल	07/04/2033	राहु	22/04/2043
	00/00/0000	चंद्र	06/11/2011	मंगल	31/12/2026	राहु	07/10/2034	गुरु	28/03/2044
	00/00/0000	मंगल	05/01/2013	राहु	25/11/2027	गुरु	06/02/2036	शनि	07/05/2045
	00/00/0000	राहु	06/01/2016	गुरु	12/09/2028	शनि	06/09/2037	बुध	04/05/2046
	00/00/0000	गुरु	06/09/2018	शनि	25/08/2029	बुध	05/02/2039	केतु	30/09/2046
	00/00/0000	शनि	06/11/2021	बुध	01/07/2030	केतु	06/09/2039	शुक्र	01/12/2047
	17/05/2005	बुध	06/09/2024	केतु	06/11/2030	शुक्र	07/05/2041	सूर्य	06/04/2048
बुध	06/11/2005	केतु	06/11/2025	शुक्र	06/11/2031	सूर्य	06/11/2041	चंद्र	06/11/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/11/2048		06/11/2066		06/11/2082		07/11/2101		07/11/2118	
06/11/2066		06/11/2082		07/11/2101		07/11/2118		18/05/2125	
राहु	20/07/2051	गुरु	24/12/2068	शनि	09/11/2085	बुध	04/04/2104	केतु	05/04/2119
गुरु	12/12/2053	शनि	08/07/2071	बुध	19/07/2088	केतु	02/04/2105	शुक्र	04/06/2120
शनि	18/10/2056	बुध	12/10/2073	केतु	28/08/2089	शुक्र	31/01/2108	सूर्य	10/10/2120
बुध	08/05/2059	केतु	18/09/2074	शुक्र	27/10/2092	सूर्य	07/12/2108	चंद्र	11/05/2121
केतु	25/05/2060	शुक्र	19/05/2077	सूर्य	09/10/2093	चंद्र	08/05/2110	मंगल	07/10/2121
शुक्र	26/05/2063	सूर्य	08/03/2078	चंद्र	11/05/2095	मंगल	06/05/2111	राहु	26/10/2122
सूर्य	19/04/2064	चंद्र	08/07/2079	मंगल	19/06/2096	राहु	22/11/2113	गुरु	02/10/2123
चंद्र	19/10/2065	मंगल	12/06/2080	राहु	25/04/2099	गुरु	28/02/2116	शनि	10/11/2124
मंगल	06/11/2066	राहु	06/11/2082	गुरु	07/11/2101	शनि	07/11/2118	बुध	18/05/2125

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 5 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।